5. आचारांग में प्रतिपादित ज्ञान एवं अज्ञानी भेद को स्पष्ट कीजिए।

6. अष्टपाहुड ग्रन्थ की वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

7. रोहिणीज्ञात कथा में मनोरंजन एवं शिक्षा की विवेचना कीजिए।

8. एक श्रेष्ठ साधक के लिए आवश्यक आचार-विचार की विवेचना 'भगवती आराधना' ग्रन्थ के आधार पर कीजिए।

9. प्राणियों के प्रति करुणा भाव की विवेचना 'दशवैकालिक' ग्रन्थ के आधार पर कीजिए।

खण्ड—स **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. उत्तराध्ययनसूत्र के आधार पर जीवन की क्षणभगुंरता पर लेख लिखिए।

11. दशवैकालिक में उल्लेखित जीवन-मूल्यों का वर्णन कीजिए।

12. मुक्तक काव्य के स्वरूप की दृष्टि से लज्जावग्ग का विवेचन कीजिए।

13. "गऊडवहो एक उत्कृष्ट ऐतिहासिक काव्य है।" पंक्ति के आलोक में गऊडवहो की समीक्षा कीजिए।

DPL–02

December – Examination 2022

Diploma in Prakrit Language Examination

प्राकृत भाषा में डिप्लोमा

(प्राकृत गद्य-पद्य)

Paper : DPL-02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) समणसुत्त का क्या अर्थ है ?

   (ii) आगम साहित्य में सर्वप्रथम किस ग्रन्थ का नाम आता है ?

(iii) महावीर की अन्तिम देशना के रूप में किस ग्रन्थ को स्वीकार किया गया है ?

(iv) दशवैकालिक कितनी चूलिकाओं में विभक्त है ?

(v) 'लज्जावग्ग' किस प्रकार का ग्रन्थ है ?

(vi) 'गउडवहो' किस शताब्दी का ग्रन्थ है ?

(vii) आराधक कौन हैं ?

(viii) बोधपाहुड में कितनी गाथाएँ हैं ?

(ix) श्रीकस्तुरीविजय रचित कथा का नाम लिखिए।

(x) द्वादशांग किसे कहते हैं ?

खण्ड—ब **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** गद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

एगया तस्स पिआ कज्जप्पसंगेण गामंतरे गओ, तया सो सोमदत्तो सिरिगणेसस्स सुंदरयमं पडिमं काऊण, पडिमाए हिट्ठंमि गूढं नियनामंकियचिण्हं करिऊण, तं मुत्तिं नियमित्तद्दारेण भूमीए अंतो निक्खेवं कारेइ। कालंतरे गामंतराओ पिया समागओ। एगया तस्स

मित्तो जणाणमग्गओ एव कहेइ-'अज्ज मम सुमिणो समागओ, तेण अमुगाए भूमीए गणेसस्स पहावसालिणी पडिमा अत्थि।' तया लोगेहि सा पुढवी खणिआ, तीए पुहवीए गणेसस्स सुंदरयमा अणुवमा मुत्ती निग्गया। तद्दंसणत्थं बहवे लोगा समागया, तीए सिप्पकलं अईव पसंसिरे।

अथवा

धण्णस्स सत्थवाहस्स हत्थाओ ते पंच सालिअक्खए गेण्हइ, गेण्हित्ता सा एगंतमवक्कमइ, एगंतमवक्कमियाए मणोगए संकप्पे समुपज्जेत्था एवं खलु तायाणं कोट्ठागारंसि बहवे पल्ला सालीणं पडिपुण्णा चिट्ठंति, तं जया मम ताओ इमे पंच सालिअक्खए जाएस्सइ तया अहं अन्ने पंच सालिअक्खए गहाय दाहामि ति। संपेहित्ता ते पंच सालिअक्खए एगंते एडेइ।

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** पद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

कीरइ समुद्दतरणं पविसिज्जइ हुयवहम्मि पज्जलिए।
आयामिज्जइ मरणं नत्थि दुलंघं सिणेहस्स॥

अथवा

जह मारुओ पवड्ढइ खणेण वित्थरइ अब्भयं च जहा।
जीवस्स तहा लोभी मंदो वि खणेण वित्थरइ॥

4. समणसुत्त के अनुसार श्रावक जीवनचर्या का संक्षिप्त परिचय दीजिए।